मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 158, मुंबई, बुधवार, 27 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर
शुध्द घी में बना
केसरीया
घेवर

काजु कतरी, काजु रोल, बदाम बर्फी,
बदाम रोल, केसर पेडे, पिस्ता लॉज,
मिलेगा.
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501 98208 99501

मुंबई में रणवीर सिंह पर एफआईआर

रणवीर को हो सकती है 5 साल की सजा

एनजीओ ने न्यूड फोटो शूट की शिकायत की, कहा- इससे महिलाओं की भावनाएं आहत हुईं

संवाददाता

मुंबई। एक्टर रणवीर सिंह न्यूड फोटोशूट मामले में फंसते नजर आ रहे हैं। एक एनजीओ ने उनके खिलाफ मंगलवार को मुंबई में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप लगाया गया है कि रणवीर ने सोशल मीडिया पर न्यूड फोटोज शेयर कर महिलाओं की भावनाओं को आहत किया है। मुंबई पुलिस ने बताया, रणवीर के खिलाफ सोमवार को चेंबूर पुलिस स्टेशन में ललित श्याम ने शिकायत की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

रणवीर ने कहा- नेकेड होने से मुझे फर्क नहीं पड़ता

रणवीर ने इंटरव्यू में कहा, 'मेरे लिए फिजिकली नेकेड होना बहुत आसान है। मेरी कुछ परफॉर्मेंस में मुझे नेकेड किया गया है। आप उनमें मेरी आत्मा को देख सकते हैं। कितनी नेकेड है वो? मैं हजारों लोगों के सामने अपने सारे कपड़े उतार सकता हूं। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वहां मौजूद लोग थोड़ा अनकम्फर्टेबल हो जाएंगे।'

पत्नी दीपिका समेत कई सेलेब्स ने किया सपोर्ट

दिल्ली ने पीठ में छुरा घोंपा: उद्धव

जब अस्पताल में हिलने लायक भी नहीं था, तभी सरकार गिराने की साजिश रची

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गिरने के 26 दिन बाद उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे और भाजपा पर तल्ख बयान दिए हैं। उद्धव ने कहा कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है। दिल्ली ने महाराष्ट्र की पीठ में छुरा घोंपा है। महाराष्ट्र सरकार गिराने की प्लानिंग तब की गई, जब वे अस्पताल में भर्ती थे और हिल भी नहीं पा रहे थे। उद्धव ने कहा, अगर मैंने उसे (शिंदे को) मुख्यमंत्री बना भी दिया होता तो उसके इरादे शैतानी हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

उद्धव ने कहा कि शिंदे गुट पर भरोसा करना उनकी सबसे बड़ी गलती थी। उद्धव ने शिंदे गुट से कहा कि वे बालासाहेब के नाम पर वोट न मांगें

हिंदुओं के बीच एकता खत्म करने की कोशिश

उद्धव ने कहा कि कुछ लोग हिंदुओं के बीच एकता को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि शिवसेना खत्म हो जाए ताकि वे हिंदुत्व के अकेले ब्रांड बने रहें। वे ठाकरे को शिवसेना से अलग करना चाहते हैं।

सोनिया गांधी की ईडी पूछताछ के विरोध में कांग्रेस का आंदोलन हिंसक

नागपुर के जीपीओ चौक में गाड़ी जलाई

मुंबई। कांग्रेस की प्रभारी अध्यक्षा सोनिया गांधी को ईडी ने कल (26 जुलाई, मंगलवार) पूछताछ के लिए बुलाया। नेशनल हेराल्ड केस में यह पूछताछ की जा रही है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

राहुल गांधी उतरे सड़कों पर, प्रियंका गांधी का आक्रोश ट्वीटर पर

इस दौरान दिल्ली में राहुल गांधी विरोध प्रदर्शन करने के लिए हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ सड़कों पर उतरे। राजपथ मार्ग पर प्रदर्शन करते हुए पुलिस ने उन्हें घेर लिया। करीब आधे घंटे तक राहुल गांधी द्वारा वहां प्रदर्शन किए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी दौरान प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

हमारी बात

गणराज्य का गौरव पल

सोमवार को संसद के सेंट्रल हॉल में जब द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद की शपथ ले रही थीं, तब पूरा देश उन्हें सम्मान से देख रहा था। उनके शपथ ग्रहण के साथ देश के जनजाति और वनवासी समुदाय का सिर जिस तरह गर्व से ऊंचा उठा है, वह भारतीय राष्ट्र की नई ताकत और भारतीय राजनीति के नए विस्तार की ओर इशारा करता है। शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मु ने आजादी के अमृत महोत्सव को याद किया, जिसे हम कुछ ही दिनों में मनाने वाले हैं। उन्होंने कहा, ह्मेरा सौभाग्य है कि आजादी के 75वें साल में मुझे यह दायित्व मिला है। द्रौपदी मुर्मू के देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने से उस संकल्प और उन सपनों को एक नया आयाम मिला है, जो आजादी की लड़ाई की सबसे प्रमुख भावना थी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिसके लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम जन को देश के शीर्ष पद पर ले जाने के संकल्प को साकार करने का इससे अच्छा अवसर कोई और हो नहीं सकता था। यह हम सबका सौभाग्य है कि स्वतंत्रता के 75वें साल में हम देश को उस दिशा में ले जा रहे हैं, जिसके लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी। राष्ट्रपति मुर्मू आर्थिक रूप से देश के सबसे पिछड़े इलाके से आई हैं। उस इलाके से, जहां अभी चंद रोज पहले तक विद्युत आपूर्ति तक की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने जो लंबा सफर तय किया है, वह देश के राजनीतिक वायुमंडल के बारे में भी बहुत कुछ कहता है। उनके गांव में विकास की वह बयार अभी तक नहीं पहुंची है, जिसे हम प्रगति की सबसे जरूरी शर्त मानते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 25 साल में पार्षद से लेकर राष्ट्रपति पद तक की लंबी दूर तय की है। यहां पर एक और चीज का जिक्र जरूरी है कि वह देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इस तरह से देखें, तो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और जेंडर के उन सभी स्तरों का उनके पास निजी अनुभव है, जहां बडे़ प्रयासों की जरूरत है। राष्ट्रपति के तौर पर यह अनुभव उनके बहुत काम आएगा। इसके साथ ही उनका यह अनुभव देश के लोगों के लिए भी एक आश्वासन है कि सर्वोच्च पद पर एक ऐसी हस्ती आसीन है, जो उनके दुख-दर्द को अच्छी तरह जानती-समझती है। इस सबका एक अन्य अर्थ भी है, जिसका जिक्र राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में किया, मेरा निर्वाचन इस बात का सुबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। जाहिर है, राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू का शपथ लेना भारतीय राजनीति की जड़ों के गहराने और मजबूत होते जाने की कहानी कहता है। पिछले कुछ दशकों में हमारा लोकतंत्र उन सभी लोगों को, तमाम समुदायों को मुख्यधारा में, बल्कि केंद्र ले आया है, जो कभी सत्ता-संरचना के हाशिये पर हुआ करते थे। किसी देश की सामाजिक विविधता उसकी राजनीति में भी स्थापित हो, प्रतिबिंबित हो, तो इससे अच्छी बात भला क्या हो सकती है! भारतीय लोकतंत्र इस मायने में अपनी परिपक्वता से दुनिया के दूसरे लोकतंत्रों के आगे आदर्श प्रस्तुत करता है। द्रौपदी मुर्मू का शिखर पर पहुंचना एक बार फिर यह बताता है कि भारत की राजनीति में अब उच्च वर्गों का एकाधिकार नहीं रहा। हालांकि, हमारी सक्रिय राजनीति में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित होती है, लेकिन द्रौपदी मुर्मू के पास वह आभामंडल है, जो राजनीति के उतार-चढ़ावों के बीच स्थितियों को अप्रिय होने से बचा सकता है।

सियासत चालू आहे कि नाहीं?

स्वतंत्र लेखक राकेश अचल की कलम से...

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान अक्सर सोचता हूँ कि सियासत के बिना भी कोई दिन गुजरना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं है। सुबह-सवेरे जब नींद खुलती हैं तो सियासत चालू नजर आती है। मजे की बात ये है कि अब सियासत में सियासत शुरू हो गयी है। पक्ष में से प्रतिपक्ष झाँक रहा है और असल विपक्ष लगातार बिखरता दिखाई दे रहा हैं। यानि जो कुछ हो रहा है ,वो सियासत के इर्दगिर्द ही है। भाजपा की नाकामियों से उपजे असंतोष को बिखरा विपक्ष भुना न ले जाये इसलिए समझदारी के साथ भाजपा ने अपने भीतर से ही एक विपक्ष खड़ा कर दिया है। भाजपा के विपक्ष में एक चेहरा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का है तो दूसरा चेहरा मिस्टर क्लीन नितिन गडकरी का है। राजनाथ पंडित जवाहर लाला नेहरू जी नीयत का समर्थन कर रहे हैं और गडकरी सत्ता को समाज सेवा से विचलित होते देख खुद विचलित दिखाई दे रहे हैं। भाजपा के नक्कारखाने में बजने वाली ये तूतियाँ जनता को बरगलाने के लिए हैं। संसद में मंहगाई और जीएसटी को लेकर आक्रामक विपक्ष के चार सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करने वाले लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला भी कठपुतली की तरह सदन चलना चाहते हैं, हो वही रहा है जो भाजपा और उसके सुप्रीमो चाह रहे हैं राष्ट्रपति चुनाव से फारिग होते ही भाजपा ने झारखण्ड सरकार को चित करने का अभियान तेज कर दिया है, क्योंकि भाजपा की नजर में सत्ता समाजसेवा नहीं सत्ता के लिए ही है। मजे की बात ये है कि झारखण्ड में झामुमो, भाजपा के विधायकों को तोड़ने का दावा कर रही है जबकि खुद टूटने का खतरा उसे ज्यादा है। भाजपा एक साथ अनेक मोर्चों पर काम कर रही है। भाजपा ने मध्यप्रदेश के द्वेदीप्यमान नेता केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मध्यप्रदेश में सक्रियता को कम करने के लिए उन्हें बंगाल की कमान दे दी है। सिंधिया की मप्र में सक्रियता से भाजपा दरकने लगी थी। स्थानीय निकाय चुनावों में ये परिदृश्य साफ नजर आया। सिंधिया के गृह नगर ग्वालियर के साथ ही कांग्रेस केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के गृह जिला

मुरैना में भी स्थानीय निकाय चुनावों में हार गयी। अब सिंधिया बंगाल के लेनिनगढ़ में अनुसूचित जातियों के यहां मध्यान्ह भोजन कर भाजपा के लिए जमीन बनाने का काम कर रहे हैं। बंगाल हारने की टीस भाजपा भूली नहीं है। बंगाल में पहले भाजपा ने मप्र के ही कैलाश विजयवर्गीय को कमान सौंपी थी लेकिन वे मालवा के बाहुबल के इस्तेमाल के बाद भी भाजपा को बंगाल की सत्ता नहीं दिला पाए। भाजपा बंगाल को हासिल करने के लिए एक तरफ ईडी का इस्तेमाल कर रही है तो दूसरी तरफ सिंधिया के चाकलेटी चेहरे का भी इस्तेमाल कर रही है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक मंत्री के घर से करोड़ों रुपए बरामद होने के बाद जहां पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया है, वहीं सिंधिया के आने के बाद वे अतिरिक्त रूप से सतर्क भी हो गयीं हैं। देश में सियासत के चालू रहने के कारण और कुछ शुरू ही नहीं हो रहा। हो भी नहीं सकता क्योंकि सत्तारूढ़ दल हर समय चुनाव की तैयारियों में लगा हुआ है। उसे विकास से कुछ लेना देना नहीं है। बुंदेलखंड में जिस एक्सप्रेस वे का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ने किया था वो जगह-जगह से धंस गया लेकिन कहीं कोई हलचल नहीं हुई। हो भी कैसे, भाजपा ऐसा होने दे तब न? नितिन गडकरी शायद इसीलिए दुखी हैं। गडकरी का दुःख उनके सहयोगी राजनाथ सिंह के दुःख से अलग नहीं है। दोनों दुखी हैं क्योंकि उन्हें दुखी दिखने के लिए कहा गया है। दोनों में से किसी में भी इतनी ताकत नहीं है कि वे इन्हीं मुद्दों पर मंत्रिमंडल की बैठक में या संसद में कुछ बोल सकें। राष्ट्रपति चुनाव में आदिवासी वोट बैंक को तृप्त कर अब उप राष्ट्रपति के चुनाव में सियासत हो रही है। भाजपा जगदीप धनकड़ को उपराष्ट्रपति बनाकर राजस्थान में कमल खिलाना चाहती है। रेगिस्तान में कमल को मुरझाये काफी दिन हो चुके हैं। राजस्थान में जादूगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आगे भाजपा का न जादू चल पा रहा है और न ही दाल गल रही है। राष्ट्रपति चुनाव में बिखराव का शिकार विपक्ष भावनात्मक अपील कर रहा है। मार्गरेट अल्वा के नाम की घोषणा कर इस बार दोनों राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद पर महिला को आसीन कर इतिहास रचने की थीम पर प्रचार किया जा रहा है। अल्वा के पक्ष में महिला, अल्पसंख्यक और दक्षिण भारत को प्रतिनिधित्व देने की भावनात्मक अपील करते हुए कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस चुनाव में उन दलों को समर्थन जीतने का प्रयास करेंगे जो राष्ट्रपति के चुनाव में दूर छिटक गए थे। एक तरफ ईडी से जूझ रहीं श्रीमती सोनिया गांधी विपक्षी एकता के लिए भी सक्रिय हैं। अल्वा की उम्मीदवारी की मजबूती के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कमान संभाली हुई है। 103 महिला सांसदों से संवाद कायम किया जाएगा। संख्या बल में भले एनडीए आगे हो लेकिन यूपीए की रणनीति गैर एनडीए दलों को साधना है। मार्गरेट अल्वा इस मामले में ग्रेट हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी समर्थन मांगने में नहीं हिचक रहीं हैं। मार्गरेट अल्वा उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी समर्थन मांगेंगी। उनका कहना है कि योगी से उनके पुराने संबंध हैं। जब वह सांसद हुआ करते थे, हम तब से दोस्त हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी वोट करने की अपील करने की बात कही। चौतरफा वोट मांगने के सवाल पर मार्गरेट अल्वा ने कहा कि उनका सभी से वोट मांगने का आधार यह है कि वो एक एक महिला हैं और देश के सामने पहली बार उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कोई महिला है, इसलिए सभी को समर्थन करना चाहिए। अल्वा को समर्थन मिले या न मिले किन्तु सियासत तो चालू है ही। इस सियासत के चलते दही, मही, आटा पर जीएसटी के लगने और महंगाई के मुद्दे को पीछे धकेला जा रहा है। न संसद में बहस होती दिखाई दे रही है और न सड़कों पर। सियासत के इस खेल में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार सक्रिय रहते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में गैर हाजिर रहकर फिर से सुरसुरी छोड़ दी है। नीतीश बाबू सुशासन बाबू हैं,वे क्या चाहते हैं ये भगवान भी नहीं जानता। उनकी चाह में कोई और है और बांह में कोई और है। बहरहाल सियासत चालू आहे। आप भी इसका मजा लीजिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एमआईएम कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने

बड़ी मुश्किलों से निकाला कचरों के ढेर में फंसा मित्तल ग्राउंड का बस स्टॉप

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर के दरमियान मित्तल ग्राउंड स्थित सड़क पर कचरों का ढेर लगा हुआ है कचरा डंपिंग करने की जिम्मेदारी का ठेका अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया है देखा जा रहा है अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के कर्मचारी पूरे मुंब्रा शहर के घरों से कचरा उठाकर टैंपू में लादकर बीच सड़क पर मित्तल ग्राउंड के पास कचरा डंपिंग करते हुए नजर आ रहे हैं जबकि कानून के हिसाब से देखा जाए तो शहर के दरमियान कचरा डंपिंग नहीं किया जा सकता फिर भी अभिषेक कंपनी के कर्मचारी कानून की धज्जियां उड़ाते हुए बीच सड़क को ही कचरा डंपिंग ग्राउंड बना लिया गया है। जिससे राहगीरों को मुंह पर कपड़ा बांधकर गुजरना पड़ रहा है स्थानीय रहवासी द्वारा यह कहां जा रहा है कचरों के कारण मच्छर डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियां उत्पन्न हो रही है लेकिन प्रशासन के कानों में जूं नहीं रेंग रही है इस मामले में दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से बात करते हुए कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने बताया कुछ महीने पहले हम लोगों ने पत्र व्यवहार कर मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति में कचरे को लेकर शिकायत की गई थी और

हमारी मांग थी कचरा बीच सड़क के दरमियान से हटाया जाए नहीं तो एमआईएम धरना प्रदर्शन करेगी लेकिन हमें आश्वस्त किया गया था कि कचरा को सड़क के दरमियान नहीं डाला जाएगा लेकिन हम लोगों ने देखा कि हमारे पत्र व्यवहार करने के बाद भी कचरा डंपिंग का काम सड़क के दरमियान अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है जबकि हमने पहले मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति को पत्र व्यवहार कर अवगत कराया था कचरों के कारण डेंगू मलेरिया टाइफाइड जैसी भयंकर बीमारियां उत्पन्न हो रही है और अभी तो देश में मंकीपॉक्स जैसी बीमारियां हाथ पैर पसारने के लिए तैयार बैठे हैं और उस पर सड़क के दरमियान कचरों और गंदगी का अंबार लगा हुआ है अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के टेंपो कचरा भरकर आधी सड़क से ज्यादा पर कब्जा जमा लिया है जिससे आने जाने वाले वाहन चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना तो करना पड़ता है और उस पर सोने पर सुहागा मुंह पर कपड़ा बांधकर तेजी से निकलना पड़ता है आसपास लोग रहते हैं अगर किसी को भी कचरो के कारण डेंगू मलेरिया टाइफाइड या कोई भयंकर बीमारी होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा क्या अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी जिम्मेदारी लेगी उन्होंने बताया हमने एक पत्र मुंब्रा पुलिस स्टेशन को दिया है और अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है और 7 दिनों का वक्त दिया है अगर 7 दिनों के भीतर अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है तो एमआईएम बीच सड़क के दरमियान कचरों मे बैठकर धरना प्रदर्शन करेगी उन्होंने बताया हमने पत्र मनपा प्रशासन कि मुंब्रा प्रभाग समिति को भी दिया है और उच्च न्यायालय में भी याचिका दायर की है। गौरतलब बात तो यह है विकास का ढिंढोरा पीटने वाली पूर्व सत्ताधारी पार्टी का विकास नजर जब आया कि हमने देखा कचरे के ढेर के बीच में बड़ी मुश्किलों से ढूंढने के बाद मित्तल ग्राउंड का बस स्टॉप दबा हुआ नजर आया सैफ पठान ने पूर्व सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा यह विकास किया गया है आने वाले आगामी मनपा चुनाव में मुंब्रा शहर की जनता इसका जवाब देगी।

मुंबई में रोज तीन महिलाओं का रेप! पुलिस की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

संवाददाता

मुंबई। महिलाओं के लिए सुरक्षित माने जाने वाले महानगर मुंबई में औसतन 3 महिलाओं के साथ रोजाना रेप की घटनाएं हो रही हैं। इस साल जनवरी से लेकर जून तक महिलाओं से रेप किए जाने के 494 मामले दर्ज कराए गए हैं। यह खुलासा मुंबई पुलिस की ओर से जारी मासिक क्राइम रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने यानी जून में महिलाओं से दुष्कर्म करने की 73 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें माइनर केस 36 और मेजर केस 37 का समावेश है। मई में यह आकड़ा 95 था, जिनमें माइनर केस 52 और मेजर केस 43 हैं। जून में रोजाना 2 महिलाओं के साथ, जबकि मई में रोजाना 3 महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हुईं। जून और मई यानी पिछले 61 दिन में 168 महिलाएं रेप की

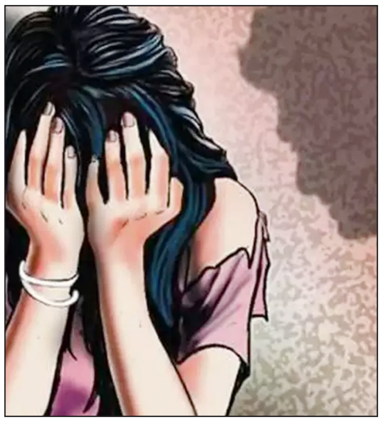

शिकार हुईं। इस तरह मुंबई में इस दौरान औसतन 3 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं हुईं।

पिछले साल के मुकाबले बढ़े मामले

इस साल जनवरी से लेकर जून तक यानी पिछले 183 दिनों में महिलाओं से रेप किए जाने के 494 मामले दर्ज किए गए। हर दिन औसतन 2 से 3 महिलाओं ने किसी ने किसी पुलिस थाने में बलात्कार की शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं, 2021 में जनवरी से जून तक रेप के 475 केस दर्ज किए गए थे।

84 फीसदी केस सुलझाए गए

रेप की घटनाओं के बीच डिटेक्शन रेट देखकर थोड़ी राहत मिलती है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से जून तक दर्ज महिलाओं से रेप की घटनाओं में से 84 फीसदी केस को पुलिस ने सुलझा लिए हैं। यह उपलब्धि 2021 की अपेक्षा 19 प्रतिशत अधिक है, क्योंकि पिछले साल पुलिस ने 78 फीसदी मामले ही हल किए थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई में रणवीर सिंह पर एफआईआर

उसके बाद ही यह कार्रवाई की गई। एक्टर ने तीन दिन पहले सोशल मीडिया पर अपनी न्यूड फोटोज शेयर की थीं। उन्होंने ये फोटोशूट पेपर मैगजीन के लिए कराया था। शिकायतकर्ता ने कहा है कि एक्टर ने अपनी न्यूड फोटोज से महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और उनका अपमान किया है। इसलिए ट्विटर और इंस्टाग्राम से उनकी फोटो हटाई जाए। शिकायतकर्ता ने कहा कि रणवीर को गिरफ्तार किया जाए। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 509, 292, 294, आईटी एक्ट के सेक्शन 67ए के तहत केस दर्ज हुआ है। एनजीओ के वकील ने मीडिया से कहा कि पुलिस ने जांच के लिए 48 घंटे का समय मांगा था। इसके बाद रणवीर के खिलाफ केस दर्ज किया गया। वकील ने बताया कि आईपीसी की धारा 292 के तहत 5 साल और धारा 293 के तहत 3 साल की सजा का प्रावधान है। वहीं, आईटी एक्ट 67ए के तहत 5 साल की सजा हो सकती है। फोटोशूट को लेकर रणवीर जमकर ट्रोल हुए। कई तरह के मीम्स भी वायरल हुए। हालांकि पत्नी दीपिका पादुकोण, राम गोपाल वर्मा, अर्जुन कपूर, आलिया भट्ट, मसाबा गुप्ता समेत कई सेलेब्स ने इस फोटोशूट पर रणवीर को सपोर्ट किया है।

उद्धव बोले- दिल्ली ने पीठ में छुरा घोंपा

सड़े हुए पत्तों को पेड़ से गिर ही जाना चाहिए। जिन्हें पेड़ ने सब कुछ दिया, वे खुद ही पेड़ को छोड़कर जा रहे हैं। जिन्हें सबसे ज्यादा फायदा मिला, वही पार्टी छोड़कर गए। ये वो लोग थे, जो अपनी ही मां (असली शिवसेना) को निगल जाना चाहते हैं, लेकिन मां तो आखिर मां होती है। हम साधारण लोगों में से असाधारण लीडर्स बनाएंगे। शिंदे गुट के साथ गठबंधन करने को लेकर उद्धव ने भाजपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, अगर भाजपा ने 2019 में मेरी मांगें मान ली होतीं, तो उनके लिए हमारे मन में इज्जत बढ़ जाती। भाजपा ने अब जो किया है, वह तब बेहद इज्जतदार तरीके से हो सकता था। उन्होंने इस बार जो करोड़ों रुपए खर्च किए हैं, वे बच जाते। दिल्ली ने महाराष्ट्र की पीठ में छुरा घोंपा है। जिन लोगों ने उनका ख्याल रखा, अब वे उन्हें ही खत्म कर देना चाहते हैं। शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन महा विकास अघाड़ी के बारे में उद्धव ने कहा कि यह गठबंधन नवंबर 2019 में हुआ था। अगर यह प्रयोग एक गलती था तो लोग हमारे खिलाफ विद्रोह कर चुके होते, लेकिन अजीत पवार ने कभी मेरी आवाज दबाने की कोशिश नहीं की।

सोनिया गांधी की ईडी पूछताछ के विरोध में कांग्रेस का आंदोलन हिंसक

सोनिया गांधी से ईडी की इस पूछताछ को कांग्रेस केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष को परेशान करने और दबाव डालने के लिए साजिश बता रही है। इसके विरोध में देश के अन्य हिस्सों की तरह महाराष्ट्र में भी आज जगह-जगह कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को सत्याग्रह नाम दिया गया। लेकिन नागपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन हिंसक हो गया। यहां कार्यकर्ताओं ने जीपीओ चौक में गाड़ी को आग लगा दी। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री विजय वडेट्टीवार और उनकी बेटी शिवानी वडेट्टीवार के नेतृत्व में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरे थे। लेकिन यह आंदोलन अचानक हिंसक हो गया। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जीपीओ चौक के पास गाड़ी फूंक दी। इस वजह से पूरे इलाके में तनाव का वातावरण दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पकड़ कर ले गई। मुंबई में भी नाना पटोले के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता सड़कों पर उतरे। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप समेत कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता आंदोलन में सहभागी हुए। कुछ देर तक आंदोलन और विरोध प्रदर्शन के बाद मुंबई पुलिस ने नाना पटोले समेत कांग्रेस के नेताओं को हिरासत में लिया। इस दौरान नाना पटोले और भाई जगताप ने केंद्र सरकार के खिलाफ खूब नारेबाजियां कीं और द्वेष से भरी राजनीति करने का आरोप लगाया। ईडी द्वारा समन भेजे जाने के बाद आज सोनिया गांधी ईडी कार्यालय में दाखिल हुईं। उनके साथ प्रियंका गांधी और राहुल गांधी थे। सोनिया गांधी के ईडी कार्यालय में जाने के बाद राहुल गांधी वापस आए। सोनिया गांधी की तबीयत को ध्यान में रखते हुए प्रियंका गांधी को उनके साथ जाने की इजाजत दी गई है। इस वजह से प्रियंका गांधी भी सोनिया गांधी के साथ ईडी कार्यालय में मौजूद हैं।

बम्बोर में सुनील चौहान की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। बम्बोर में सोमवार को स्वर्गीय सुनील चौहान की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने बढ़ चढ़कर ब्लड डोनेट किया। जिसमें 31 युनिट ब्लड एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर का शुभारंभ पूर्व विधायक लूणी मलखान सिंह बिश्नोई धर्म पत्नी शारदा व बम्बोर सरपंच प्रतिनिधि राजसा डऊकिया, रावतराम इंदलिया सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर पूर्व विधायक मलखान सिंह बिशनोई ने कहा कि रक्तदान करना रक्तदान कराना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरपंच प्रतिनिधि राजसा डऊकिया ने कहा कि ऐसे रक्तदान शिविरों का समय-समय पर आयोजन होते रहना चाहिए जिससे रक्त की कमी ना हो। शिविर मे जोलियाली सरपंच पांचाराम विश्नोई, बंशीलाल भाम्बु, मोहन प्रजापत, अखाराम, मांगीलाल इंदलिया, भीयाराम सबरवाल, चिमा राम, गोपाल, राजु इंदलिया, रवि, अनिल, जगदिश पूनम, वासु, दौलाराम सहित अनेक लोग मौजूद थे।

भारतीय सेना बलिदान का अनुपम उदाहरण हैं: राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

23वें कारगिल विजय दिवस पर आर्य जगत की श्रद्धांजलि

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 23 वें 'कारगिल विजय दिवस' पर ऑनलाइन सभा का आयोजन कर भारतीय सेना के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।यह कोरोना काल मे परिषद का 422 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज हमारे ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महाशक्ति बनने की ओर निरन्तर अग्रसर हो रहा है साथ ही हमारी सेना आधुनिक व सशक्त हो रही है। जिससे भारत की और कोई आंख उठाकर न देख सके।उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक नागरिक का सैनिकीकरण आवश्यक हो गया है। अग्निवीर योजना उसी की एक कड़ी है। युवाओ को सेना में भर्ती होना चाहिए जिससे राष्ट्र मजबूत होक 'अग्निवीर योजना' को सफल बनाना ही कारगिल के शहीद सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने युवकों को देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत करने पर बल दिया कहमें अपनी भारतीय सेना पर गर्व है जो लोग भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं वह क्षमा योग्य नहीं हो सकते। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज के योगदान की चर्चा की, उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द सत्य पथ के अनुगामी थे उन्होंने कभी सिद्धांत विरुद्ध समझोता नहीं किया। मुख्य अतिथि शिक्षाविद एन पी वर्मा (कोडरमा झारखण्ड) व सोहन लाल आर्य ने भी शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे। गायिका दीप्ति सपरा, प्रवीना ठक्कर, कमला हंस, कमलेश चांदना, कौशल्या अरोड़ा, रजनी गुप्ता, रविन्द्र गुप्ता, सुधा गुप्ता, रचना वर्मा, अनु श्री खरबंदा आदि ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

झालामंड में क्रिकेट प्रतियोगिता में ISRO 11 चैंपियन बनी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान के जोधपुर के झालामंड क्षेत्र में सर्व समाज झालामंड प्रिमियम लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 2022 का आयोजन किया गया। जिसमें 18 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में राजपूत रॉयल और ISRO 11 के बीच खेला गया। जिसमें ISRO 11 विजय रही। मुख्य अतिथि के रूप में मनोहर सिंह, प्रकाश सैन, महेंद्र चौधरी, कान जी सैन, शेर सिंह उपस्थित थे। आयोजक समिति के अध्यक्ष राजू सिंह कुड़ी होद ने बताया कि खेलो के माध्यम से सर्व समाज को जोड़ने तथा खिलाड़ियों को मैदान से जुड़ा रहने के लिए आयोजन किया गया है। सयोजक विशन सिंह सोलंकी, कोषाध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान झालमंड, दिलीप सिंह सोलंकी, दिनेश सिंह रान, अजय सिंह देवड़ा, भरत सिंह राठौड़ उपस्थित थे। मीडिया प्रभारी सज्जन सिंह कुड़ी ने सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी समाजसेवी एवं मीडिया प्रभारी सज्जन सिंह कुड़ी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पत्रकार विकास बने भाजपा काशी विश्वनाथ मण्डल के सह मीडिया प्रभारी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वाराणसी महानगर के अंतर्गत भाजपा के काशी विश्वनाथ मण्डल में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नलिन नयन मिश्र द्वारा पत्रकार विकास भारद्वाज पुत्र द्वारिका प्रसाद भारद्वाज को भाजपा का मण्डल सह मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा जिस पर श्री भारद्वाज ने संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व तथा दयाशंकर

मिश्रा (दयालु गुरु) राज्य मंत्री एवं नीलकंठ तिवारी पूर्व मंत्री एवं विधायक उत्तरप्रदेश का आभार व्यक्त किया है। भारद्वाज के मनोनयन पर महानगर अध्यक्ष विद्यया सागर राय, उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, अभिजीत भारद्वाज, विष्णु यादव, रोशन राय, अरुण यादव, सूरज पांडेय कृष्णा पांडेय एवं महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष सीता दिमरे सहित उनके इष्ट मित्रों एवं पत्रकार साथियों ने बधाई दी है। उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार मुकेश शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

महताब बादशाह जल्द दिखेंगे बॉलीवुड फिल्म में, शानदार अभिनय वीडियो को बार बार देख रहे है लोग

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

धनबाद,झारखंड। धनबाद जिले के शमशेर नगर हमीद चौक निवासी कलाकार यूट्यूब पर धमाल मचा रहे हैं. इनके फिल्माये गये वीडियो लगातार यूट्यूब पर अपलोड करते ही ट्रेंड करने लग रहे हैं। डायलॉग और एक्शन वीडियो का टीजर अपलोड किये चंद घंटे ही हुए हैं कि इसे अब तक तीन लाख सत्तर हजार लोगों ने देख-सुन लिया है। लोगों द्वारा काफी पसंद

किये जाने से यह वीडियो यूट्यूब पर 29 वें नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। इस एक्शन वीडियो में कलाकार महताब बादशाह उर्फ आदिल खान, उजैर खान अहमद और प्रिंस खान की बेहतर भूमिक रहती है, ज्ञात हो की महताब बादशाह उर्फ आदिल खान के वीडियो देख कर बॉलीवुड के चर्चित फिल्म सल्लू की शादी के डायरेक्टर इसरार अहमद भी अभिनय देख कर प्रभावित हुवे और फोन से वार्ता की तथा अपनी आगामी फिल्म में अभिनय का मौका देने की बात कही है, एक सवाल के जवाब में कलाकार महताब बादशाह उर्फ आदिल खान ने कहा की मुझे यहां तक पहुंचाने में मेरे मेहनत के साथ साथ मेरे मुहल्ले के लोग, दोस्तो और कुछ खास लोगो की सहयोग सरहानिये रहा है और सोशल मीडिया को लेकर कहा कि आज यह एक ऐसे मंच है जो छोटी जगहों के कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा मौका देता है।

बाइक सवार अपराधियों ने झपट्टा मार कर छीने 7.10 लाख रुपए

संवाददाता / जकी अहमद

समस्तीपुर। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के आईबी रोड में बाइक सवार दो अपराधियों ने बैंक से रुपये निकासी कर घर जा रहे एक व्यक्ति से झपट्टा मारकर 7.10 लाख रुपये छीन कर भाग निकले। घटना दलसिंहसराय के केवटा गांव वार्ड 9 निवासी स्व0 कालीचरण राय के पुत्र रामप्रसाद राय के साथ मंगलवार की दोपहर दिनदहाड़े घटी। इसको लेकर पीड़ित रामप्रसाद राय ने थाने की पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया 300 मेधावी बेटियों का सम्मान

भायंदर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से प्रेरित होकर समाजसेवी डॉ अजय एल दुबे ने 6 साल पहले बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा अच्छे अंकों के साथ, पास करने वाली छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन प्रारंभ किया। पिछले 2 सालों में कोरोना संक्रमण के चलते बड़े स्तर पर कार्यक्रम नहीं हो पाए। परंतु इस वर्ष ट्रस्ट ने शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया। 24 जुलाई को मीरा रोड के वातानुकूलित शहनाई सभागृह में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुंबई, ठाणे तथा पालघर जिले से आई करीब 300 मेधावी छात्राओं को ट्रॉफी तथा सर्टिफिकेट के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथियों के रूप में मीरा भायंदर की विधायक गीता जैन, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता, भाजपा जिला अध्यक्ष एड रवि व्यास, महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा प्रवक्ता श्वेता शालिनी, दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, समाज सेवक रामपाल, समाजसेवी डॉ राधेश्याम तिवारी, नगरसेवक विक्रम प्रताप सिंह, नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, नगरसेवक सुरेश खंडेलवाल नगरसेवक विजय राय, नगरसेविका नीला सांस, नगरसेवक दरोगा पांडे, चंद्रकांत मोदी, दिल्ली से आए सुमित सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, पत्रकार अमित तिवारी, पत्रकार सोनल सिंह, एड राजकुमार मिश्रा, बृजेश तिवारी, डॉ सारिका रॉय, एडवोकेट श्वेता तिवारी, मुनाफ पटेल सुशील यादव समेत अनेक गणमान्य लोगों ने उपस्थित रहकर बेटियों की हौसला अफजाई की। कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगियों में सुनीता खोत, चंदा उपाध्याय, कल्कि सचदेव, राजकुमारी मौर्या, हेमा हुरिया, अलका सुथार, गीता जैसवाल, एडवोकेट नीति शुक्ला, डॉक्टर वर्षा सिंह, उबेद फ्रूटवाला, संजय मिश्रा, राजकुमार वत्स, मनीष दुबे, राजेश दुबे, धर्मेश जोशी, अर्पिता दुबे विवेक दुबे ध्वनि जोशी साक्षी उपाध्याय रिद्धि कृष्णा आदि का समावेश रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ सौंदर्य गर्ग और कमलेश गगलानी ने किया। अंत में संस्था के ट्रस्टी प्रीति अजय दुबे ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग का तबादला प्रकरण, जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद भी किसके बल पर बच रहे अपर मुख्य सचिव चिकित्सा?

- प्रधानमंत्री कार्यालय भी करा रहा जांच और लोकायुक्त ने भी मांगी रिपोर्ट

- बोले स्वाथ्य कर्मी- अपर मुख्य सचिव चिकित्सा के पक्ष में यूपी के मुख्य मंत्री से नहीं थी ऐसी अपेक्षा

- कमेटी की जांच रिपोर्ट के बाद भी अपर मुख्य सचिव चिकित्सा समेत तबादलों में भ्रष्टाचार और गड़बड़ी के अन्य दोषियों के खिलाफ कार्रवाही नहीं करने से निराश स्वास्थ्य विभाग के पीड़ित

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों और कर्मचारियों के तबादलों में आर्थिक भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों के मद्देनजर जांच के लिए प्रमुख सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में गठित 3 सदस्यीय कमेटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है लेकिन सबसे खास बात यह भी कि इस रिपोर्ट के आधार पर अब तक दोषियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके फलस्वरुप तबादलों में भ्रष्टाचार के शिकार चिकित्सा कर्मियों और डाक्टरों में अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद के खिलाफ जबरजस्त रोष भी व्याप्त है। मृतकों तक के तबादले करने जैसी भयंकर अनियमितता की पुष्टि होने के बाद भी अभी तक गठित कमेटी द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं किए जाने से भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की मंशा पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। विभागीय सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक भारी आर्थिक लाभ के इरादे से जिस तरह से नियम विरुद्ध तबादले किए गए और इसको लेकर जिस तरह की अनेक गंभीर शिकायतें की गई। उसे दृष्टिगत रखते हुए इसमें प्रथम दृष्टया सबसे बड़े दोषी के रूप में स्वास्थ्य विभाग में लगभग 7 साल से अंगद की तरह पैर जमाए बैठे अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद का नाम पहले नंबर पर लिया जा रहा है। लेकिन पद से हटाने के रूप में उनका अभी तक कोई बाल बांका नहीं हो पाया है। उनके खिलाफ लोकायुक्त ने भी दवाओं और उपकरणों की खरीद में भारी घोटाले के साथ ही कोरोना काल के दौरान घटिया पीपीई किट जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर भी नोटिस भेजकर उनसे 28 जुलाई तक जवाब मांगा है। दूसरी ओर लखनऊ के राजेश खन्ना ने दायर की गई याचिका में भी अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद पर अनेक गंभीर आरोप लगाए हैं। से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक किसी कथित खास वजह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोषी होने के बाद भी अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई करने में हाल फिलहाल अपने को असमर्थ समझते बताये जाते हैं। विभाग के भरोसे में सूत्रों के मुताबिक यही वजह है कि उन्हें अभी तक पद से नहीं हटाया गया है। इस संदर्भ में पीडितों का कहना है कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उन्हें ऐसी आशा नहीं थी। अवगत कराते चलें कि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में तबादलों को लेकर विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद को पत्र लिखकर आपत्ति जताई थी। इसी के साथ उपमुख्यमंत्री पाठक ने उनसे इस मामले में जवाब भी तलब किया था। यही नहीं उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक का यह पत्र जमकर वायरल भी हुआ था, जिसके बाद ही मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उप मुख्यमंत्री और अपर मुख्य सचिव को ना केवल बातचीत के लिए बुलाया था बल्कि तबादलों में जमकर भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों की शिकायतों की जांच के लिए मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी भी गठित कर 2 दिन में रिपोर्ट सौंपने के भी आदेश दिए थे। जिसके बाद ही अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी और गन्ना एवं आबकारी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी की कमेटी ने 2 दिन की निर्धारित समय सीमा के खिलाफ कई दिन बाद अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी है लेकिन इसके बाद भी अब तक इस जांच रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई अभी तक क्यों नहीं की गई। यह सवाल भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण के संदर्भ में सरकार की मंशा पर भी सवाल खड़ा करने से नहीं चूकता। फिलहाल अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद के खिलाफ अभी तक किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करना इसलिए भी चर्चा का विषय है क्योंकि अब प्रधानमंत्री कार्यालय भी इसी विषय में जांच करा रहा है। फिलहाल इन हालातों में क्या किसी तरह का प्रभाव या हथकंडा अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद समेत अन्य दोषियों को कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर खिलाफ कार्रवाई से बचा पाएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया से शाह आलम को डी. लिट की मानद उपाधि से नवाजा गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान। चंबल को अपनी कर्मभूमि बनाकर उसकी बेहतरी के लिए प्रयासरत चंबल परिवार के प्रमुख शाह आलम राना को उनकी दो दशक लंबी एवं प्रेरणादायक सेवाओं के लिए इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटी हेल्थ साइंस एंड पीस, कैलिफोर्निया ने डी. लिट की मानद उपाधि दी है। शाह आलम क्रांतिकारी परंपरा के दस्तावेजी लेखक है। वे चंबल की 2800 किमी से अधिक दूरी अकेले साइकिल से यात्रा करके चर्चा में आए थे। भोपाल के होटल आरके रेजेंसी में रविवार की दोपहर आयोजित विशेष दीक्षांत समारोह में यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट जनरल जीएम डॉ. जसवीर सिंह ने उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि प्रदान की। इस मौके पर चंबल में उनके द्वारा किए जा रहे कामों पर चर्चा भी की गई। इसके बाद सम्मान में भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फिल्म अभिनेता राजपाल यादव, मिस इंडिया रागिनी पांडेय, सौहार्द शिरोमणी आदि मौजूद रहे। शाह आलम चंबल घाटी में बदलाव की इबारत लिखने में सक्रिय हैं। वे आजकल पांच नदियों के संगम के नजदीक कुख्यात दस्यु सरगना रहे सलीम गुर्जर उर्फ पहलवान के ग्राम पंचायत स्थित चंबल आश्रम में रह रहे हैं और अपनी ड्रीम परियोजना चंबल विश्वविद्यालय के सपने को साकार करने की दिशा में लगे हुए हैं। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के मूल निवासी शाह आलम पूरा पिरई गांव के रहने वाले हैं। शाह आलम के परबाबा पिरई खां महुआ डाबर एक्शन के महानायक थे। उन्होंने अपने गुरिल्ला साथियों के साथ मिलकर 10 जून 1857 को अंग्रेजी सेना के छह अफसरों को मार डाला था। जिसका खामियाजा भी परिवार को भुगतना पड़ा। शाह आलम ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या और जामिया मिल्लिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पढ़ाई की। एक घुमंतू सरोकारी दस्तावेजी लेखक-फिल्मकार के रूप में दो दशक से अधिक समय से सक्रिय हैं। सामाजिक सरोकारों के लिए 2002 में चित्रकूट से अयोध्या तक, 2004 में मेंहदीगंज से सिंहचर तक, 2005 में इंडो-पाक पीस मार्च दिल्ली से मुल्तान तक, 2005 में ही सांप्रदायिक सौहार्द के लिए कन्नौज से अयोध्या, 2007 में कबीर पीस हॉमोनी मार्च अयोध्या से मगहर, 2009 में कोसी से गंगा तक पैदल यात्रा की। उत्तर प्रदेश के पहले फिल्म समारोह की वर्ष 2006 से अयोध्या फिल्म फेस्टिवल नाम से नींव रखी। अवाम का सिनेमा के बैनर तले वे हर वर्ष अयोध्या में इसका एक आयोजन करते हैं। वर्ष 2010 में भारतीय सेना में चंबल रेजिमेंट बनाने की मुहिम को भारतीय संसद की रक्षा समिति ने मुहर लगा दी. शाह आलम ने वर्ष 2016 में 2800 किमी से अधिक दूरी साइकिल से तय करके चंबल-बुंदेलखंड के बीहड़वासियों के समस्याओं को समझकर उसके निदान के लिए रात-दिन शिद्दत से लगे हुए हैं। 'चंबल जनसंसद' और आजादी के 70 साल पूरे होने पर 'आजादी की डगर पे पांव' 2338 किमी की यात्रा क्रांतिकारियों के भूलने के विरुद्ध की। बुंदेलखंड में जारी मैला ढोने की कुप्रथा पर बनी पहली फीचर फिल्म 'इस्क्रीटा' के कार्यकारी निर्माता। शाह आलम ने तथागत गौतम बुद्ध पर अंग्रेजी भाषा में बनी फीचर फिल्म में अभिनय भी किया है। मातृवेदी- बागियों की अमरगाथा, बीहड़ में साइकिल, चंबल मेनीफेस्टो, आजादी की डगर पे पांव, कमांडर-इन-चीफ गेंदालाल दीक्षित, बंदूकों का पतझड़, कोरोना कारावास में युवा संघर्ष, आदि पुस्तकों के लेखक। चंबल संग्रहालय की वर्ष 2018 में नींव रखी। जहां दस्तावेजी और बौद्धिक संपदा का अमूल्य भंडार है। शाह को भारतीय संसद में राज्यसभा के चैयरमेन और राज्यपाल द्वारा सम्मानित भी किया गया है। शाह आलम का अभी तक का सफर आसान नहीं रहा है। संवैधानिक और मानवीय मूल्यों की रक्षा में जी जान से लगने से उन पर हमलों, नजरबंदी, गिरफ्तारियों से बारहां डराने की कोशिश की गई। कई जानलेवा साजिशों से तपकर निकलने की वजह से इन्हे 'जिन्दा शहीद' का जनखिताब मिला है।

(जैसा वरिष्ठ पत्रकार मुकेश शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया)

इंडिया इंडिपेंडेन्स कप कराटे प्रतियोगिता 13 व 14 अगस्त को

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। दिल्ली के तलकटोरा स्टेडीयम में होने वाली 16 विं आल इंडिया इंडिपेंडेन्स कप कराटे प्रतियोगिता 13 और 14 अगस्त को हैं। देश भर से भारत के चैम्पीयन खिलाड़ियों सहित 2000 से भी अधिक सभी आयु वर्ग के महिला और पुरुष कराटे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन KIO से मान्यता प्राप्त संस्था सीको काई कराटे इंटर्नेशनल इंडिया द्वारा वर्ल्ड कराटे फेडरेशन और एशियन कराटे फेडरेशन स्तर के रेफरीज की देखरेख में और WKF के नियमानुसार किया जाएगा। सीको काई कराटे इंटर्नेशनल इंडिया के निदेशक और भारत में कराटे के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक श्री भारत शर्मा जो कि WKF के तकनीकी बोर्ड के सदस्य होने के साथ देश के सर्वप्रथम WKF से ब्लैक बेल्ट 8 डिग्री धारक हैं उनके अनुसार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए देश भर के खिलाड़ी पूरे साल प्रतीक्षा करते हैं और इस वर्ष यह 16वीं प्रतियोगिता है जिसका आयोजन प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर किया जाता है।

विप्र सेना कार्यकारिणी का किया विस्तार

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सारस्वत ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मुरलीधर सारस्वत को उपाध्यक्ष और महावीर प्रसाद सांखी को उपाध्यक्ष के दायित्व पर नियुक्त किया।

बीमारियों का है काल Surya Namaskar

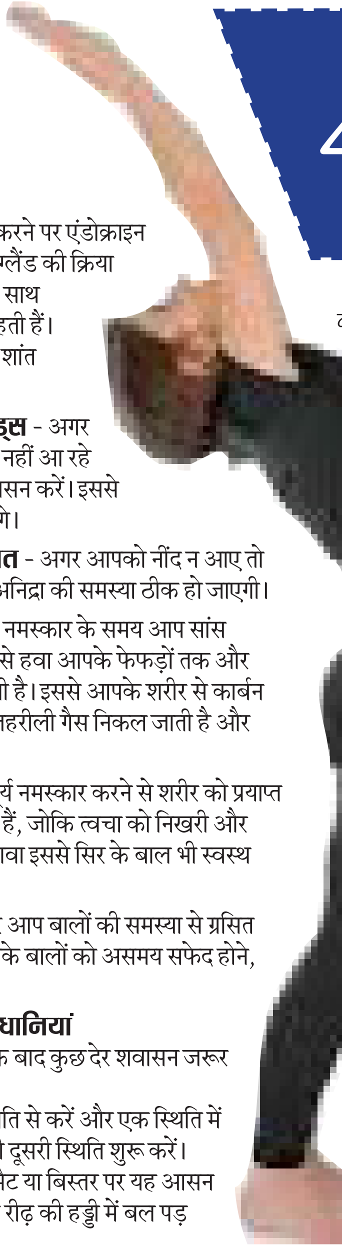

स्वस्थ तन और मन के लिए योग सबसे बेहतरीन माध्यम है। वैसे तो ऐसे बहुत से योग हैं, जिससे आप बीमारियों से बचे रह सकते हैं लेकिन आज हम आपको आसनों का राजा कहे जाने वाले 'सूर्य नमस्कार' के बारे में बताने जा रहे हैं। सूर्य नमस्कार का अर्थ है सूरज को अर्पन या नमस्कार करना। एक्सपर्ट का कहना है कि सुबह की शुरूआत इस आसन से करने पर तन और मन दोनों ही स्वस्थ रहते हैं क्योंकि इस योग करते समय सूरज की किरणें सीधी शरीर पर पड़ती है। खास बात तो यह है कि इस आसन का प्रभाव शरीर के सभी अंगों पर पड़ता है इसलिए इसे सबसे सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

12 तरीकों से किया जाता है सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार में कुल 12 आसन होते हैं। इसमें 6 विधि के बाद फिर उन्हीं 6 विधि को उल्टे क्रम में दोहराया जाता है। इसमें सबसे पहले प्रणामासन, हस्तउत्तानासन, हस्तपादासन, अश्वसंचालासन, अधोमुखश्वानासन, अष्टांगनमस्कारासन और भुजंगासन किया जाता है। फिर अष्टांगनमस्कारासन से प्रणामासन तक आसनों को दोहराया जाता है। इस आसन को सुबह सूर्य की किरणों के सामने स्वच्छ व खुली हवादार जगह पर करना होता है।

कितनी देर करें सूर्य नमस्कार?

सूर्य नमस्कार को 5 से 10 मिनट तक करना जरूरी है। अगर यह आसन रोजाना 5-12 बार तक कर लिया जाए तो आपको कोई और आसन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह आसन सुबह सूर्य की किरणों के सामने स्वच्छ व खुली हवादार जगह पर ही करें। चलिए अब हम आपको यह बताते हैं कि रोजाना सूर्य नमस्कार करने से आपको और क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

मेंटल हेल्थ के लिए है फायदेमंद

इस आसान को करते समय आप एक ही जगह पर फोकस करते हैं और मन भटकता नहीं, जिसके कारण ब्रेन फंक्शन बेहतर होता है। इससे ना सिर्फ दिमाग तेज होता है बल्कि आप तनाव जैसी बीमारियों से भी बचे रहते हैं। इतना ही नहीं, इससे शरीर में एनर्जी भी आती है, जिससे आप दिनभर तरोताजा रहते हैं।

● **शरीर को मिलती है ऊर्जा** - सूर्यनमस्कार से शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है और कार्बन-डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। इससे आप दिनभर तरोताजा रहते हैं।

थायराइड में फायदेमंद

नियमित रूप से यह आसन करने पर एंडोक्राइन ग्लैंड्स खासकर थायरायड ग्लैंड की क्रिया नॉर्मल, जिससे थायराइड के साथ मानसिक समस्याएं भी दूर रहती हैं। साथ ही इससे नर्वस सिस्टम शांत रहता है।

● **अनियमित पीरियड्स** - अगर आपको पीरियड्स समय पर नहीं आ रहे हैं तो नियमित रूप से यह आसन करें। इससे मासिक-धर्म रेगुलर हो जाएंगे।

● **अनिद्रा की शिकायत** - अगर आपको नींद न आए तो यह योगासन करें। आपकी अनिद्रा की समस्या ठीक हो जाएगी।

● **बॉडी डिटॉक्स** - सूर्य नमस्कार के समय आप सांस खींचते और छोड़ते हैं, जिससे हवा आपके फेफड़ों तक और ऑक्सीजन खून तक पहुंचती है। इससे आपके शरीर से कार्बन डाइऑक्साइड और बाकी जहरीली गैस निकल जाती है और बॉडी डिटॉक्स हो जाती है।

● **ग्लोइंग स्किन** - सूर्य नमस्कार करने से शरीर को प्रयाप्त मात्रा में विटामिन डी मिलता हैं, जोकि त्वचा को निखरी और बेदाग बनाता हैं। इसके अलावा इससे सिर के बाल भी स्वस्थ और मजबूत होते हैं।

● **मजबूत बाल** - अगर आप बालों की समस्या से ग्रसित हैं तो यह योगा अभ्यास आपके बालों को असमय सफेद होने, झड़ने व रूसी से बचाता है।

सावधानियां

➤सूर्य नमस्कार को करने के बाद कुछ देर शवासन जरूर करें।

➤उचित समय और धीमी गति से करें और एक स्थिति में सांस सामान्य होने के बाद ही दूसरी स्थिति शुरू करें।

➤कोमल, अधिक गद्देदार मैट या बिस्तर पर यह आसन न करें क्योंकि इससे आपकी रीढ़ की हड्डी में बल पड़ सकता है।

➤स्लिप डिस्क और हाई ब्लड प्रैशर के मरीजों को भी यह योग नहीं करना चाहिए।

सुबह उठकर खाएं 4 मखाने, कभी पास नहीं आएंगी ये प्रॉबल्मस

मखाने को सेवन वैसे तो आप जब चाहें तब कर सकते हैं। कई लोग इन्हें स्नैक्स के रुप में खाना पसंद करते हैं तो कई सब्जी बनाकर। मगर यदि आप इनका सेवन सुबह खाली पेट करते हैं तो आपका शरीर एक नहीं बल्कि कई तरह की बीमारियों से बचा रहता है। जैसे कि..

● **डायबिटीज से बचाव** - रोजाना सुबह 4 से 5 मखानों का सेवन आपको डायबिटीज जैसे रोग से बचाकर रखता है। यदि आप इस बीमारी की चपेट में आ भी चुके हैं तो मखाने के चार दानों का सेवन करके इस बीमारी से हमेशा के लिए निजात पा सकते है। इसके सेवन से शरीर में इंसुलिन बनने लगता है और शुगर की मात्रा कम हो जाती है। फिर धीरे-धीरे शुगर रोग भी खत्म हो जाता है।

● **दिल के लिए फायदेमंद** - मखाना केवल शुगर के मरीज के लिए ही नहीं बल्कि हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी फायदेमंद है। इनके सेवन से दिल स्वस्थ रहता है और इम्यून सिस्टम भी स्ट्रांग बनता है। इनके सेवन से शरीर में किसी तरह की फैट जमा नहीं होती। जिससे आपका हार्ट लंबे समय तक हेल्दी और फिट रहता है।

● **तनाव से रखे दूर** - रोज सुबह खाली पेट मखानों का सेवन करने से व्यक्ति तनाव मुक्त रहता है। इसके सेवन से अनिद्रा की समस्या भी दूर रहती है। रात को सोने से पहले दूध के साथ मखानों का सेवन करें और खुद फर्क महसूस करें।

● **जोड़ों का दर्द** - उम्र के बढ़ने के साथ जोड़ों में ग्रीस खत्म होने लगती है। मखाने शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करते हैं। जिस वजह से व्यक्ति को बढ़ती उम्र के साथ-साथ जोड़ों में दर्द जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। गठिए जैसे रोगों में भी इसका सेवन बहुत लाभदायक है।

● **स्ट्रांग इम्यून सिस्टम** - रोज सुबह उठकर मखाने खाने से शररी को भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट मिलता है। मखाने में एस्ट्रीजन गुण होते हैं। जो आपकी भूख मिटाने के साथ भूख बढ़ाने का काम भी करते हैं। इससे आपकी भूख की शिकायत भी दूर हो जाएगी और पेट की सेहत भी दुरुस्त रहेगी।

चेहरा चाहिए एकदम ग्लोइंग तो सुबह उठते ही करें यह काम

नॉर्मल स्किन - अगर आपकी स्किन नॉर्मल हैं तो रोज सुबह चेहरा धोने के लिए सल्फेट मुक्त फेसवॉश इस्तेमाल करें। यह स्किन में मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल और गंदगी को निकालने में मदद करता है। चेहरे पर नमी व पीएच संतुलन बनाएं रखने के लिए हल्के टोनर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा त्वचा की सूखी कोशिकाओं को हटाने के लिए ग्लाइकोलिक एसिड सीरम और हल्के मॉइस्चराइजर बेस्ट है।

फेस मास्कः मानसून के दौरान घर पर ही बादाम का फेस मास्क बनाने के लिए कुछ बादाम लें और उन्हें दूध में भिगो दें। इन बादाम को पीसकर एक पेस्ट बनाएं। इसमें शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट तक लगा कर रखने के बाद में ठंडे पानी से धो डालें।

ड्राई स्किन - ड्राई स्किन पर अक्सर छोटी-छोटी दरारें नजर आती हैं और त्वचा बिल्कुल खुशक। ऐसे में रूखी त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए रोज सुबह स्किन पर ऐसे मॉइस्चराइजर और टोनर इस्तेमाल करें जो त्वचा की नमी को बरकरार रखें। वहीं विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंटस से भरपूर सीरम इस्तेमाल करें क्योंकि यह आपकी त्वचा में कोलेजन को टूटने से बचाता है।

फेस मास्कः मुल्तानी मिट्टी का फेस मास्क लगाएं। इसे बनाने के लिए 1 टीस्पून मुल्तानी मिट्टी में 1 टीस्पून शहद मिलाएं और मुलायम पेस्ट तैयार कर लें। चेहरे पर 15 मिनट यह फेस मास्क लगाकर रखें और बाद में धो लें।

ऑयली स्किन - ऑयली स्किन से अतिरिक्त तेल कंट्रोल करने के लिए त्वचा को हल्का हाइड्रेटेड रखें। सुबह क्लींजिंग ऑयल से चेहरे को साफ करें और टोनर इस्तेमाल करें। इससे चेहरे पर तेल जमा नहीं होगा। इसके अलावा स्किन पर ऑयल फ्री मॉइस्चराइजर लगाएं। ध्यान रहें कि मॉइस्चराइजर ऐसा हो जिसमें सोडियम पीसीए और ग्लिसरीन की मात्रा अधिक हो। इसके अलावा बाहर जाते समय जिंक ऑक्साइड सनस्क्रीन इस्तेमाल करें।

फेस मास्कः ऑयली या सामान्य त्वचा के लिए स्ट्रॉबेरी मास्क बहुत फायदेमंद है। 2 स्ट्रॉबेरी लें और इसे काटें। इसमें एक चम्मच ब्रांडी, 2 चम्मच ब्रेड क्रम्स और 2 चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद अच्छी तरह से फेस वॉश से चेहरा धो लें।

सुबह उठते ही पानी पिएं - इस बात का ध्यान रखें कि आपकी स्किन टाइप चाहे जो भी हो, लेकिन त्वचा को हाइड्रेट रखना जरूरी है। ऐसे में सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू और शहद डालकर पिएं। इससे शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलेगी और स्किन दमकती नजर आएगी। आप चाहे तो ग्रीन टी या नारियल तेल भी पी सकते हैं।

त्वचा की देखभाल के अन्य टिप्स

● स्किन पर क्रेक्स, मुंहासे या बुढापे के लक्षण दिखने लगे हैं तो सीरम को टोनिंग रूटीन में शामिल करें।

● हमेशा मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन लगाने से पहले कुछ मिनट पहले त्वचा पर सीरम लगाएं।

● बिना सनस्क्रीन लगाएं घर से बाहर ना निकलें, हर 2 घंटे में चेहरे पर इसका इस्तेमाल करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...बॉलीवुड के इस हैंडसम हंक पर मरती थी दिशा पाटनी

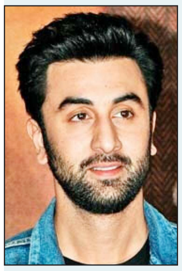

बॉलीवुड की हॉट डीवा दिशा पाटनी हमेशा न्यूज में बनी रहती हैं। कभी अपने ड्रेसिंग सेंस की वजह से तो कभी अपनी हॉट तस्वीरों की वजह से दिशा चर्चे में रहती है। इन दिनों दिशा अपनी अपकमिंग फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' की प्रमोशन में व्यस्त है। दिशा फिल्म के प्रमोशन के लिए तमाम इंटरव्यूज कर रही हैं। हाल ही में एक मीडिया को इंटरव्यू देते हुए दिशा से कुछ ऐसा बोल दिया है कि उसे सुनकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड टाइगर श्रॉफ का दिल जरुर टूट जाएगा। 'एक विलेन रिटर्न्स' के प्रमोशन के दौरान दिशा पाटनी से जब पूछा गया उनका पहला क्रश कौन था। इसका खुलासा करते हुए दिशा ने कहा कि, 'जब मैं स्कूल में थी तब रणबीर कपूर की बड़ी फैन थी। उनकी वजह से मेरे कई एक्सीडेंट भी हुए है, क्योंकि मैं उनका पोस्टर देखती थी। दिशा ने आगे बताया कि मेरे शहर में उनका एक बहुत बड़ा पोस्टर था। मुझे लगता था कि वह किसी ब्रांड के प्रचार के लिए लगा था और मैं बस उसे देखती थी। उन्होंने आगे बताया कि पोस्टर को देखने के चक्कर में मैं अपनी स्कूटी की ड्राइव करते हुए बहुत सी चीजों से टकरा जाती थी।' जब दिशा पाटनी से पूछा गया है कि उन्होंने रणबीर कपूर को इस बारे में कभी बताया था। इस पर उन्होंने कहा, 'सच में नहीं लेकिन मैं ऐसा करूंगी।'

सुपरहिट फिल्म देने के बाद भी मुश्किल में फंसे कार्तिक आर्यन

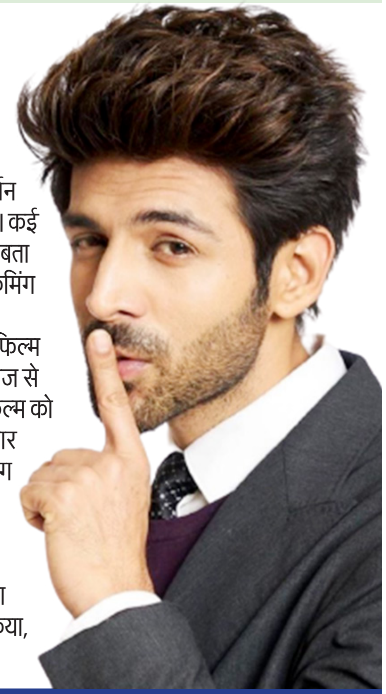

भूल भुलैया 2 की सक्सेस के बाद कार्तिक आर्यन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग ही पैठ बना चुके हैं। कई डायरेक्टर्स और फिल्म मेकर्स तो उन्हें हिट की गारंटी बता चुके है। मगर इसके बावजूद कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म मुश्किलों में घिर गई है। हम कार्तिक की फिल्म शहजादा की बात नहीं बल्कि उनकी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म फ्रेडी की बात कर रहे हैं। मगर कार्तिक ये फिल्म रिलीज से पहले ही मुश्किल में फंस गई है। फिल्म मेकर्स इस फिल्म को सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करना चाहते थे मगर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस फिल्म कोई डायरेक्ट रिलीज के लिए तैयार नहीं है। इस फिल्म को वीरे दी वेडिंग फेम शंशाक घोष ने डायरेक्ट किया है। दरअसल, प्यार का पंचनामा सीरीज की फिल्मों के बाद कार्तिक आर्यन ने लुका छुपी और पति पत्नी और वो जैसी हिट फिल्में दी थी। हालांकि इनके बाद अभिनेता को लगा कि कुछ फिल्में ऐसी करनी चाहिए, जो एक्टर के रूप में उनकी जड़े फिल्म इंडस्ट्री में जमाएं। तब उन्होंने रिस्क लेते हुए धमाका और फ्रेडी जैसी थ्रिलर फिल्में साइन की थीं। बता दें कि फ्रेडी के मेकर्स ने इसको रिलीज करने के लिए कई ओटीटी प्लेटफॉर्म से संपर्क किया, लेकिन ओटीटी ने सीधे उनकी फिल्म को लेने से मना कर दिया है।

शमिता शेट्टी और राकेश बापट मे हुआ पैचअप?

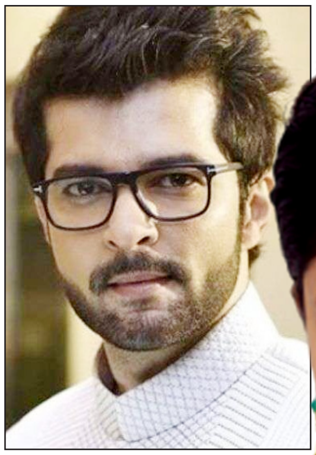

शमिता शेट्टी और राकेश बापट एक ऐसे कपल है जिनके फैंस अब तक इस कंफ्यूजन मे जी रहे है कि क्या ये दोनों अभी भी कपल है या इनका ब्रेकअप हो चूका है। हालांकि अपने रिश्ते की शुरूवात दोनों ने बड़े ही सुलझे हुए तरीके से की थी। राकेश और शमिता दोनों ने ही खुलेआम अपने प्यार का इजहार किया था। पूरी दुनिया के सामने नेशनल टीवी पर दोनों ने कन्फर्म किया था कि ये दोनों शादी भी करेंगे। लेकिन अचानक इनके रिश्ते मे अनबन की खबरे सामने आने लगी। बता दे दोनों की मुलाकात रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी में हुई थी। शो में दोनों एक- दूसरे को दिल दे बैठे। शो में ही शमिता और राकेश ने एक- दूसरे के लिए अपनी फीलिंग्स जाहिर कर दी थी। कपल के चाहने वाले उन्हें प्यार से 'शरा' कहकर बुलाते हैं क्योंकि लोगों को इनकी केमिस्ट्री काफी पसंद हैं। लेकिन फिर एक दिन खबर आई कि इन दोनों का ब्रेकअप हो गया। हालांकि अब कपल की नई तस्वीर को देखकर उनके फैंस एक बार फिर चैन कि सांस ले पा रहे है।